रेबीज़ जान लेवा है

परन्तु रेबीज़ से बचाव संभव है

ज़ख्म धोएं – रेबीज़ से बचें

1. रेबीज़ कुत्ते या जानवर के काटने अथवा खरोंच लगाने से होती है।
2. रेबीज़ एक जानलेवा बीमारी है। परन्तु रेबीज़ से बचाव संभव है।
3. रेबीज़ के विषाणु,जो जानवर के थूक मे होते है, जानवर के काटने या खरोच लगाने पर घाव पर बैठ जाते हैं।
4. घाव को 15 मिनट तक साबुन से झाग बनाकर धोने और कोई भी एन्टीसेप्टिक लगाने से अधिकतर विषाणु नष्ट हो जाते है और रेबीज़ होने का खतरा कम हो जाता हे।
5. घाव पर मिर्च, पत्तों का दूध मिट्टी या पट्टी न लगाएं। इससे रेबीज़ कें विषाणु मरते नहीं बल्कि और फैल सकते हैं।
6. घाव को धोने के बाद नज़दीक के स्वास्थ्य केन्द्र में जरुर दिखायें।
7. अब रेबीज़ से बचाव बहुत सस्ते कारगर तरीके (इंट्राडरमल विधि) से किया जाता है।

ज़ख्म को 15 मिनट तक बहते पानी के नीचे रखकर अच्छी तरह धोएं।

ज़ख्म को साबुन से झाग बना कर धोएं एवं कोई भी एन्टीसेप्टिक या एल्कोहल लगाएं। जख्म को न ढकें।

रेबीज़ का टीका तुरंन्त अस्पताल जाकर लगवांए। यही रेबीज़ का बचाव है।

स्वास्थ्य एंव परिवार कल्याण विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा जनहित में जारी।